Title: Request the Ministry of Environment and Forest to appoint high power committee to inquire the matter of man eater tigers in the hilly region of Uttar Pradesh.

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खण्डूरी : महोदय, हमारे क्षेत्र में आदमखोर बाघों द्वारा करीब हर रोज लोगों को मारा जा रहा है, उसके बारे में मैं सरकार और पर्यावरण मंत्रालय का ध्यान दिलाना चाहता हूं। मेरे क्षेत्र जनपद चमौली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल में पिछले दो-तीन साल में सौ के करीब इस प्रकार के केस हुए हैं। जहां आदमखोर बाघ आते हैं और बच्चों, महिलाओं, वृद्धों तथा असहाय लोगों को मारते हैं। अभी पिछले दिनों एक बाघ ने घर में घुस कर नौ लोगों को घायल किया है, जिसमें तीन की हालत बहुत गंभीर है। एक तरफ भारत सरकार की तरफ से प्रोजैक्ट टाइगर चल रहा है, जो मेरे क्षेत्र में है। उसका ऐरिया बढ़ाया जा रहा है और दूसरी तरफ बाघों पर नियंत्रण की कोई व्यवस्था न होने की वजह से वे आदमखोर गांव और शहरों के बीच में जाकर लोगों को मार रहे हैं। वहां आतंक फैला हुआ है। वहां शाम के बाद करफ्यू लग जाता है, लोग बाहर नहीं जा पाते हैं। इस प्रकार बाघ घर में घुस कर अत्याचार कर रहे हैं। मैं १९९२ से इसे लोकसभा में उठा रहा हूं लेकिन अभी तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। मैं केन्द्र सरकार और पर्यावरण मंत्रालय से निवेदन करता हूं, बाघों को बढ़ाना राष्ट्रीय हित में है लेकिन वहां जो बाघों द्वारा लोगों को मरवाने की व्यवस्था कर रहे हैं, कृपया इस पर कोई चिन्ता कीजिए, कोई व्यवस्था कीजिए। वहां ऐसे बाघों को रख दिया जाता है जो कि जंगल में नहीं रह सकते और वे बाहर आकर लोगों को मार रहे हैं। इसलिए मेरा पर्यावरण मंत्रालय से आग्रह है कि एक उच्चस्तरीय कमेटी बना कर इस पूरे प्रकरण को देखें और जल्दी से जल्दी इसकी कोई व्यवस्था करें ताकि बाघों द्वारा लोगों को मारना बंद हो जाए। धन्यवाद।